दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका की रोमांचक जीत

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे रोमांचक मुकाबला

अहमदाबाद, 11 फरवरी रहमानुल्लाह गुरबाज की बीच में बल्ले से कई धमाकेदार पारी बेकार गई, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को अहमदाबाद में दूसरे सुपर ओवर में जीत हासिल करके टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक जीत लिया.

यह मुकाबला, जिसमें पेंडुलम कई बार किसी भी दिशा में घूमा, जिसके खत्म होने का कई बार वादा किया गया था, आखिरकार दूसरे सुपर ओवर की आखिरी गेंद पर तय हुआ. मैच आखिरी ओवर की पहली गेंद पर ही खत्म हो सकता था, जब कगिसो रबाडा ने नूर अहमद को कवर पर कैच कराया. लेकिन पेसर ने ओवरस्टेप कर दिया था. यह अफगानिस्तान के लिए राहत की बात थी, जो आखिरी ओवर में सिर्फ एक विकेट के साथ 13 रन का पीछा कर रहा था. यह पहले सुपर ओवर की आखिरी बॉल पर भी खत्म हो सकता था, लेकिन साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 7 रन चाहिए थे और 18 रन का पीछा कर रहे थे, ट्रिस्टन स्टब्स – जिन्होंने तब तक कोई बॉल नहीं खेली थी – ने फजलहक फारूकी की बॉल पर सीधा छक्का जड़ दिया. एक बार फिर, दूसरे सुपर ओवर में चार बॉल बाकी रहते हुए, मैच का फैसला हो गया लग रहा था. जीत के लिए 24 रन का पीछा करते हुए, अफगानिस्तान पहली दो बॉल पर रन नहीं बना सका – और मोहम्मद नबी का विकेट भी गंवा दिया. साउथ अफ्रीका को बस एक डॉट बॉल की जरूरत थी. लेकिन यह खत्म नहीं हुआ. गुरबाज़, जिन्होंने पहले 42 बॉल में 84 रन बनाए थे और अफगानिस्तान के लिए लक्ष्य का पीछा करने की शुरुआत की थी, ने तीन बॉल पर तीन छक्के मारे और आखिरी बॉल पर 6 रन की जरूरत को कम करके मैच अपने नाम कर लिया.

पहला सुपर ओवर – टाई
अफगानिस्तान – 6 बॉल में 17/0
दक्षिण अफ्रीका – 6 बॉल में 17/1
दूसरा सुपर ओवर – दक्षिण अफ्रीका 4 रन से जीता
दक्षिण अफ्रीका – 6 बॉल में 23/0
अफ़गानिस्तान – 6 बॉल में 19/2

अफ़गानिस्तान ने मुकाबले को जितना गहरा खींचा, वह अपने आप में तारीफ़ के काबिल है, और इसके लिए रबाड़ा भी कुछ हद तक जिम्मेदार हैं. चेज के आखिरी ओवर में नो-बॉल फेंकने के बाद, एक वाइड बॉल आई और नूर ने डीप स्क्वायर लेग बाउंड्री के ऊपर से एक छक्का जमा दिया. फिर उन्होंने फिर से ओवरस्टेप किया, जिससे अफ़गानिस्तान को मुकाबले में मजबूत बने रहने के और मौके मिले. लेकिन, यह अफ़गानिस्तान का एक और गलत फ़ैसला था जिसकी वजह से आख़िरकार उन्हें हार का सामना करना पड़ा.

एक नजर में

सिलिच 600 जीत हासिल करने वाले दूसरे सक्रिय खिलाड़ी

डलास. मंगलवार को नेक्सो डलास ओपन में लर्नर टिएन के खिलाफ मिली मारिन सिलिच की 600वीं टूर-लेवल जीत, उनकी कंसिस्टेंसी और लंबे समय तक टिके रहने की झलक है, इन खूबियों ने उन्हें आज के महान खिलाड़ियों में जगह बनाने में मदद की है. एटीपी टूर पर दो दशकों में, जिसका ज़्यादातर हिस्सा 'बिग थ्री' युग में मुकाबला करते हुए बीता, क्रोएशियाई खिलाड़ी न केवल टिका रहा, बल्कि आगे भी बढ़ा है. 37 साल के सिलिच इस खेल के सबसे कड़े कॉम्पिटिटर में से एक हैं, जिनके पास उतनी ही जबरदस्त बेसलाइन फायरपावर है.

हसरंगा के बिना खेलने उतरेगा श्रीलंका

पल्लेकेले. श्रीलंका का कैप्टन शहर बदल रहा है, लेकिन ऐसा शक के घेरे में है. वानिंदु हसरंगा हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं, जो को-होस्ट के लिए एक बड़ा झटका है, ठीक वैसे समय में जब टूर्नामेंट आकार लेना शुरू कर रहा है. इस इंजरी से उनके बॉलिंग प्लान और ऑन-फील्ड प्रेज़ेंस में

एक साफ कमी रह गई है. ओमान के खिलाफ पहला टेस्ट कागज़ पर शायद सबसे मुश्किल न लगे, लेकिन फोकस इस बात पर होगा कि श्रीलंका का अटैक अपने लीड स्पिनर के बिना कैसे जवाब देता है. यह पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टूर्नामेंट का पहला गेम होगा, जो सुबह शुरू होगा. कोलंबो से शिफ्ट होने के कारण कंडीशन अलग हैं, लेकिन स्पिन फिर से हावी होने वाली है, क्योंकि यहां पेसर्स की तुलना में स्लोअर बॉलर्स को ज़्यादा सफलता मिली है.

बास्केटबॉल लीग केरल का शुभारंभ

तिरुवनंतपुरम. केरल ने भारत में बास्केटबॉल ईको सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बास्केटबॉल लीग केरल का आधिकारिक शुभारंभ किया है. यह फ्रेंचाइज़ी आधारित युवा लीग उभरती प्रतिभाओं के लिए एक संरचित और व्यवस्थित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है. केरल बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस लीग का उद्घाटन केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहिमान ने किया. उन्होंने कहा कि विभिन्न खेलों में छिपी प्रतिभाओं की पहचान के लिए लीग प्रारूप की प्रतियोगिताएं अत्यंत आवश्यक हैं. उन्होंने बताया कि केरल में बास्केटबॉल खिलाड़ियों और प्रशंसकों का मजबूत आधार है, लेकिन अब तक अवसर सीमित रहे हैं.

नामीबिया के साथ खेलेगा भारत

उम्मीद और जिम्मेदारी दोनों लेकर मैदान में उतरेगा भारत

नयी दिल्ली, 11 फरवरी भारत गुरूवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ ग्रुप ए के मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन होने के नाते उम्मीद और जिम्मेदारी दोनों लेकर उतरेगा. अमेरिका के खिलाफ उनके शुरुआती मैच ने सभी को याद दिलाया कि टी20 क्रिकेट, भारत जैसी टैलेंटेड टीम के लिए भी, मुश्किल हो सकता है.

एक समय, भारत 77 रन पर 6 विकेट खो रहा था, ऐसी पिच पर जिसमें टेक्निक, टेम्परामेंट और टैक्टिकल अवेयरनेस की जरूरत थी. यह एक ऐसी हार हो सकती थी जिससे टीम का कॉन्फिडेंस डगमगा जाता, लेकिन ऐसे पलों में वर्ल्ड-क्लास खिलाड़ी मौके का फायदा उठाते हैं.

वह खिलाड़ी, एक बार फिर, सूर्यकुमार यादव थे. 48 गेंदों पर उनकी नाबाद 84 रन की पारी टाइमिंग, कॉन्फिडेंस और कंट्रोल्ड एग्रेशन का मास्टरक्लास था. सूर्यकुमार का हर शॉट सोचा-समझा लेकिन हिम्मत वाला था, हर बाउंड्री याद दिलाती है कि वह दुनिया के सबसे खतरनाक टी20 बल्लेबाजों में से एक क्यों बन गए हैं. उन्होंने न सिर्फ़ भारत को मुश्किल से बचाया, बल्कि मोमेंटम को पूरी तरह से मेजबान टीम के पक्ष में कर दिया, जिससे पता चला कि जब सबसे ज़्यादा जरूरत होती है तो वे ज़िम्मेदारी लेने की अपनी काबिलियत दिखाते हैं. बॉलिंग ने भी भारत की गहराई और खुद को ढालने की काबिलियत दिखाई. चोटिल हर्षित राणा की जगह देर से आए मोहम्मद सिराज ने शुरू में ही विरोधी टीम पर दबाव डाला, जबकि अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने बीच के ओवरों में दबाव बनाकर रन बनाने के मौके कम किए. यह दबाव में मिलकर किया गया प्रदर्शन था, और इस लेवल का प्रदर्शन भारत के लिए एक ब्लूप्रिंट देता है क्योंकि वे नामीबिया का सामना कर रहे हैं, जो इस लेवल पर खुद को साबित करने के लिए बेताब टीम है. नामीबिया इस मुकाबले में अपने सामने मौजूद चुनौती को जानते हुए उतरेगा. नीदरलैंड्स से उनकी शुरुआती हार ने उम्मीद और सुधार की ज़रूरत वाले एरिया, दोनों को दिखाया.

समझदारी से करनी होगी स्ट्राइक रोटेट

भारत के खिलाफ, नामीबिया को शुरू से ही अग्रेसिव होना होगा, समझदारी से स्ट्राइक रोटेट करनी होगी, और ऐसी पार्टनरशिप बनानी होगी जिससे वे एक मुश्किल टोटल बना सकें या उसका पीछा कर सकें. उनके बॉलर्स को इंडिया की गहराई और क्वालिटी के सामने कड़ी परीक्षा देनी होगी, और उनके फील्डर्स को आसान रन और छूटे हुए मौकों को रोकने के लिए अलर्ट रहना होगा. अगर नामीबिया डिफेंडिंग चैंपियन को मुश्किल में डालना चाहता है तो डिसिप्लिन और फोकस बहुत जरूरी होगा.

दिल्ली की पिच से पेसर्स को शुरुआत में मदद मिलेगी लेकिन लाइट्स में स्ट्रोक्स के लिए आसानी होने की उम्मीद है. टॉस एक फैक्टर हो सकता है, लेकिन असली टेस्ट एग्जीक्यूशन में होगा – इंडिया अपने एक्सपीरियंस और कंपोजर से, और नामीबिया अपने एम्बिशन और भूख से. सभी की निगाहें एक बार फिर सूर्यकुमार पर होंगी, जिनकी अकेले दम पर गेम बदलने की काबिलियत बेजोड़ है, लेकिन नामीबिया के खास परफॉर्मर्स को भी अपनी छाप छोड़ने के मौके मिलेंगे. कल एक्सपीरियंस बनाम एम्बिशन, स्किल बनाम भूख, और स्ट्रैटेजी बनाम इंस्टिंक्ट का एक दिलचस्प मुकाबला होने वाला है.

टीम में कवर के तौर पर रहेंगे स्मिथ

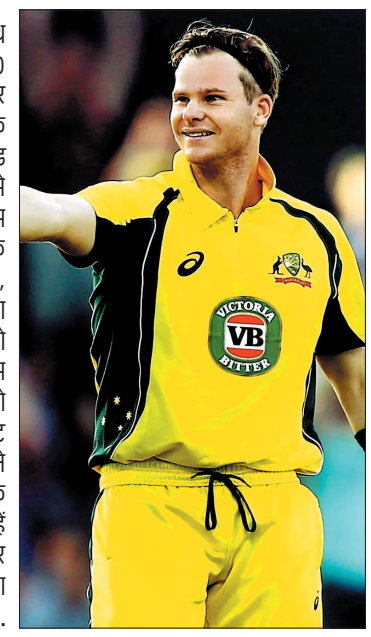

नयी दिल्ली. स्टीवन स्मिथ को ऑस्ट्रेलिया की टी 20 वर्ल्ड कप टीम में कवर के तौर पर बुलाया गया है, क्योंकि कप्तान मिशेल मार्श आयरलैंड के खिलाफ अपने पहले मैच से बाहर हो गए थे. मार्श को इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रेनिंग के दौरान ग्रोइन में चोट लगी थी, जिससे टेस्टिकुलर ब्लीडिंग हुई है. मार्श ने मंगलवार को तय समय पर मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की. लेकिन कोलंबो में टॉस से ठीक 15 मिनट पहले उनके मैच से बाहर होने की खबर आई. सीएके एक बयान में कहा गया, 'उन्हें (मार्श) लगातार दर्द और बेचैनी हो रही है, जिससे उनका मूवमेंट रुक रहा है.

अश्विन ने किया बॉलिंग एक्शन का बचाव

नयी दिल्ली. रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक का सपोर्ट किया, जिनके बॉलिंग एक्शन ने यूनाइटेड स्टेट्स के खिलाफ पाकिस्तान की 32 रन की जीत के बाद चर्चा छेड़ दी है. 28 साल के इस खिलाड़ी का बॉलिंग एक्शन अमेरिका को रोकने में अहम साबित हुआ, लेकिन उनके अनोखे एक्शन, जिसमें रन-अप में एक खास रुकावट और साइड-आर्म रिलीज शामिल है, ने लोगों का ध्यान खींचा और सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना हुई. भारत के पूर्व ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने एक्स पर पोस्ट किया कि बॉलिंग एक्शन की लीगैलिटी सिर्फ आईसीसी से मान्यता प्राप्त टेस्टिंग सेंटर में ही तय की जा सकती है.

ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 67 रन से पीटा

कोलम्बो, 11 फरवरी. नाथन एलिस और एडम जम्पा (4-4 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को बुधवार को एकतरफा अंदाज में 67 रन से पीटकर टी 20 विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की.

ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट पर 182 रन बनाने के बाद आयरलैंड को 16.5 ओवर में 115 रन पर समेट दिया. 12 रन पर चार विकेट लेने वाले एलिस को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला. मैच से पहले ही कप्तान मिचेल मार्श के चोटिल हो जाने के कारण ऑस्ट्रेलिया के पास प्लेइंग 11 चुनने के लिए केवल 12 खिलाड़ी ही मौजूद थे.

अभिषेक को मिली अस्पताल से छुट्टी

खेलने पर गुरुवार को होगा फैसला

नयी दिल्ली. गुरुवार को दिल्ली में नामीबिया के खिलाफ भारत के दूसरे ग्रुप मुकाबले में अभिषेक शर्मा के खेलने पर भारतीय टीम प्रबंधन मैच से पहले फ़ैसला लेगा. भारतीय बल्लेबाज़ तिलक वर्मा ने मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अभिषेक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है. तिलक ने कहा, 'अभिषेक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है. उनके पेट में समस्या थी इसलिए वह अस्पताल में भर्ती थे. हम आज उनकी स्थिति देखने के बाद यह फ़ैसला कल लेंगे कि वह खेलेंगे या नहीं. हमारे पास निर्णय लेने के लिए अभी एक दिन और है.'

अभिषेक को पेट में संक्रमण के चलते दिल्ली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. मंगलवार को भारत के सहायक कोच रायन टेन डेशकाटे ने कहा था, 'अभि (अभिषेक) के पेट में अभी भी कुछ समस्या है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह ठीक होकर इस मैच के लिए तैयार रहेंगे. 'अभिषेक शर्मा टी20 विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में खाता नहीं खोल पाए थे और पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे. इसके बाद अभिषेक फ़ील्डिंग करने नहीं आए थे.

शम ने जीता अंडर-18 का खिताब

काज़ा. रॉयल एनफील्ड द्वारा प्रस्तुत स्पीति कप 2026 के अंतिम दिन सेंटर ज़ोन पुरुष टीम ने लाहौल को 12-2 से हराकर सीनियर पुरुष वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया. काज़ा आइस हॉकी रिंक पर मिली इस जीत के साथ सेंटर ज़ोन ने लीग चरण में चारों मैच जीतकर अपराजेय रहते हुए ट्रॉफी जीती. हालांकि, सभी वर्गों में क्लीन स्वीप की उनकी उम्मीदों को शम ज़ोन ने तोड़ दिया, जिसने रोमांचक मुकाबले में अंडर-18 बालक वर्ग का खिताब जीत लिया. सेंटर ज़ोन महिला टीम पहले ही अपना खिताब सुरक्षित कर चुकी थी. समापन समारोह और पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि अनुराधा राणा, विधायक, जिला लाहौल एवं स्पीति की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ. इस अवसर पर एसडीओ (सिविल) काज़ा दीक्षित राणा, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, आईएचएएलएस और रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.

रणजी ट्रॉफ़ी निरीक्षण टीम के अनुसार, ग्राउंड का रखरखाव मानकों के अनुरूप नहीं

देहरादून ने गंवाया सेमीफाइनल खेलने का मौका

देहरादून, 11 फरवरी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पिच क्यूरेटर ने उत्तराखंड में देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का दौरा करने के बाद मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यहाँ के मैदान की हालत को बेहद निराशाजनक बताया है. इससे यहां रणजी ट्रॉफ़ी सेमीफाइनल की मेजबानी को लेकर झटका लगा है.

क्यूरेटर राकेश कुमार ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा कि स्टेडियम की पिच और आउटफील्ड का स्तर इतना खराब है कि यहां सेमीफाइनल जैसा महत्वपूर्ण मुकाबला आयोजित नहीं किया जा सकता. बीसीसीआई की निरीक्षण टीम के अनुसार, ग्राउंड का रखरखाव मानकों के अनुरूप नहीं है, जिसके चलते इसे उच्च स्तरीय क्रिकेट के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया गया है. इस फैसले के बाद अब यह मैच उत्तराखंड के बजाय उत्तर प्रदेश में शिफ्ट होने की पूरी संभावना है. सूत्रों की मानें तो बीसीसीआई अब इस सेमीफाइनल को कानपुर के ऐतिहासिक ग्रीन पार्क या लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आयोजित करने पर विचार कर रहा है.

इस घटनाक्रम ने राज्य के खेल प्रेमियों और क्रिकेट विशेषज्ञों को गहरे असमंजस में डाल दिया है. एक क्रिकेट विशेषज्ञ ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि उत्तराखंड के लिए अपनी खेल सुविधाओं को प्रदर्शित करने का यह एक सुनहरा अवसर था, जिसे लचर प्रबंधन के कारण गंवा दिया गया.

वानखेड़े में जो हुआ, उसे लेकर भारतीय बल्लेबाजों को ज्यादा नहीं सोचना चाहिए

नयी दिल्ली. भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने कैंपेन के पहले मैच में अमेरिका को 29 रन से हराया, लेकिन अपनी बैटिंग इनिंग्स के दौरान एक समय वे मुश्किल में थे. जियोस्टार के 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट्स संजय बांगर और पीयूष चावला ने बैटर्स के लिए सीख और नामीबिया के खिलाफ भारत की प्लेइंग इलेवन में संभावित बदलावों पर अपने विचार शेयर किए.